



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Indian Express*.....
दिनांक .4.....12.....2020 पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....5-6.....



CCHAU HISAR (EDUCATION DAY)

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University celebrated online Agricultural Education Day. Director of Research, Dr. S.K. Sahrawat welcomed dignitaries, scientists, students and farmers to join the webinar. He told that the Agricultural Education Day is celebrated every year on 3rd December to commemorate the birth anniversary of the first President of the country and the first Union Minister of Agriculture, Bharat Ratna Dr. Rajendra Prasad. Scientists of national and international level expressed their views in the brainstorming session of the webinar. The webinar was organized on behalf of the College of Agriculture of the University. Vice-Chancellor of the University Professor Samar Singh explained that the event is intended to educate school students and encourage them to choose agriculture as a profession by detailing the career prospects, agri-entrepreneurial avenues so as to develop their interest in the subject. He further added that If modern techniques and seeds of improved varieties of crops are used, then agriculture farm income can be increased to a large extent.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Tribune*.....

दिनांक .५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ७-८

ONLINE AGRICULTURAL EDUCATION DAY

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University celebrated online Agricultural Education Day. Vice-Chancellor of the university Professor Samar Singh explained that the event was intended to educate school students and encourage them to choose agriculture as a profession by detailing the career prospects, agri-entrepreneurial avenues so as to develop their interest in the subject. He further added that if modern techniques and seeds of improved varieties of crops were used, then agriculture farm income could be increased to a large extent. Also, by maintaining the quality of agricultural products with organic farming, demand will increase not only at the national but also international level. Director of Research, Dr SK Sahrawat welcomed dignitaries, scientists, students and farmers to join the webinar. He said the Agricultural Education Day was celebrated every year on December 3 to commemorate the birth anniversary of the first President of the country and the first Union Minister of Agriculture, Bharat Ratna Dr Rajendra Prasad.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

अमृतजला

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ कॉलम..... ३. ६

लघु उद्योग समय की मांग : प्रो. सिंह

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर्स मीट का शुभारंभ

अमर उजाला व्यूरो

हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा, वहीं हूसरी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे शुक्रवार को विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक की आइडिया डबलपर्मेट इन्कंपासिंग एंट्रीबिजनेस इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इन्वेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की, जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष पाइडी विशेष अतिथि थे। इस दैरान मुख्यातिथि ने एबिक के विजन डॉक्यूमेंट का भी लोकार्पण किया। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि, सहसंयोजक अर्पित तनेजा ने इन्वेस्टर्स मीट की जानकारी दी।



प्रथम इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। अमर उजाला

एबिक की सफलता पर ही निर्भर है नाबार्ड की योजनाएं : नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाशीष पाइडी ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इंक्यूबेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप काम कर रहे हैं, जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इस कारण हमारे देश में अधिक से अधिक इस

तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है। बील ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहकार श्याम वैम्बर ने कहा कि इंक्यूबेशन सेंटर युवाओं को आगे बढ़ने का मौका दे रहे हैं। इसका लाभ उठाना चाहिए।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंह, शीलेंद्र सिंह, राहुल दूहन के अलावा एबिक के चयनित स्टार्टअप, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सरी

दिनांक ..F.. 12.2.2021 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....3-6

‘ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग’

हिसार, 4 दिसम्बर (ब्यूरो): ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक और जहां किसानों को लाभ होगा, वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र की आइडिया डिवैल्पमेंट इंकम्पासिंग एंगीविजनेस इनवेस्टस मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर

मुख्यातिथि बोल रहे थे। एविक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की, जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पांडु विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एविक केंद्र के विजन मुख्यातिथि का भी लोकार्पण किया।

मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदनी में इजाफा होगा। इसके अलावा बिचौलिया प्रथा पर भी रोक लग सकेगी। प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना काल में लगभग सभी उद्योग मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर



कार्यक्रम में मौजूद मुख्यातिथि व अन्य अधिकारी।

धंधे प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसलिए इस क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश की संभावनाएं हैं।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पांडु ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एविक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार

करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, इसलिए युवाओं को इस ओर अधिक से अधिक अवसर तलाशने चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

२०२१ क. जा। १२३

दिनांक . ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... २-५

चीन में लाखों तो भारत में कुछ हजार स्टार्टअप और अधिक केंद्र खोलने की जरूरत : नाबार्ड कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए एचएयू में प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट शुरू

जगरण संवाददाता, हिसार:

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक केंद्र की आईडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एप्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट शुक्रवार को आयोजित हुई। इसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. समर सिंह तो अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की। जबकि नाबार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाइडी विशेष अतिथि रहे। नाबार्ड के पदाधिकारियों ने कहा कि एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्वेस्टरेशन सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि



प्रथम इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर विजन डायरेंस का लोकार्पण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। ● पीआरओ

स्टार्टअप्स कर रहे समस्याओं का समाधान

एबिक की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि एबिक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एबिक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मेंटर एबिक के साथ जुड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप्स की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं।

ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार

फूलों के उत्पादन की बाजार में बहुत स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

बागवानी फल-फूलों की मांग अधिक: कुलपति प्रो. समर सिंह ने लगभग सभी उद्योग धंधे प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण और बागवानी, फल-सब्जियों व भूमिका अदा की। इसलिए इस क्षेत्र

इन्वेस्टर्स मीट में ये दी गई जानकारियां

इन्वेस्टर्स मीट में कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकिंग व ब्राइंग करके व्यापार की आगे बढ़ाने की संभावनाओं, युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारने के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। एबिक के साथ मिलकर तीन किसान उत्पादक समूह भी काम कर रहे हैं और उनकी वार्षिक 3 आय में काफी वृद्धि हुई है। एबिक से जुड़कर स्टार्टअप्स ने करीब 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 3000 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है।

में अधिक से अधिक निवेश की संभावनाएं हैं। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अर्पित तनेजा ने सभी का स्वागत किया और इन्वेस्टर्स मीट की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रैन कॉम्पोज़ेरा.....

दिनांक १२-१२-२०२० पृष्ठ संख्या.....८..... कॉलम.....७-८.....

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : कुलपति



प्रथम इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर विजन डॉक्यूमेंट का लोकार्पण
करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह एवं एबिक के अधिकारी।

हिसार, (सुरेंद्र सौदी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए शुक्रवार को प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट शुरू हुई। इस मीट पर विविध कंपनियों की वित्तीय स्थिति का विवरण किया गया। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्षितों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इन्वेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबाई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाण्डी विशिष्ट अतिथि थे। इस दौरान मुख्यात्मिथ ने एबिक केंद्र के विजन डॉक्यूमेंट का भी लोकार्पण किया। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अपूर्त तनेजा ने सभी का स्वागत किया और इन्वेस्टर्स मीट की विस्तृत जानकारी दी। नाबाई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाण्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबाई भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहाँ कम इन्वेस्टर्स सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....मैन के सौरा

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... ७ कॉलम..... ५-६

खेती के लिए शिक्षित युवा आएं और इसे बिजनेस बनाएं

- कृषि शिक्षा दिवस पर शाष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों ने किया नंथन
- हक्कीवि कुलपति ने कहा, कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं है घाटे का सौदा

हिसार, ३ दिसंबर (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि अगर आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। वे विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस पर अॉनलाइन माध्यम से आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्य संरक्षक संबोधित कर रहे थे।

वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि को युवा आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल कर एक बिजनेस का रूप दे सकते हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा कृषि संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और संबोधित क्षेत्र की विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए।



वेबिनार के दीर्घान संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता।

कृषि शिक्षा मानव जाति की सेवा का पवित्र मार्ग : डा. चौधरी

सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी ने कहा कि हमारे देश की अधिकतर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इतने बड़े तबके को कृषि संबंधी शिक्षा देकर जागरूक करना अपने आप में मानव जाति की

सेवा करने का सबसे पवित्र मार्ग हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्य को बड़ी करतव्यनिष्ठा और लगान से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करें।

किसानों के सामने हैं चुनौतियां : निदेशक सिंह

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं, लेकिन इन चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं। जिनके माध्यम से किसान खेती-बाजी से अच्छी आमदानी कमा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर सिखना

होगा। यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी ने कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफा कमाएं।

कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी मुख्य वक्ता थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत किया।

यूएसए की स्टेट वर्जिनिया यूनिवर्सिटी से डॉ. उमेश के. रेड्डी मुख्य वक्ता थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का स्वागत किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दीन का मासिक

दिनांक . ५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....५-६

एचएयू के वीसी प्रो. समर ने कहा-ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का हुआ शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा, वहीं दूसरी तरफ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए।

वे एचएयू स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डिवेलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस इनवेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के



विजन डॉक्यूमेंट का लोकार्पण करते एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह एवं एबिक के अधिकारी।

एबिक की सफलता पर निर्भर है नाबार्ड की योजनाएँ : मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक देवा आशीष पाहुड़ी ने कहा कि विवि स्थित एबिक सेंटर की सफलता पर ही नाबार्ड भविष्य की योजनाएँ तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। बील ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहकार श्याम वैम्बर ने कहा कि इक्विबेटर सेंटर युवाओं के लिए एक प्लॉटफार्म बनकर उभरे हैं।

डॉ. सीमा रानी ने कहा- एबिक के मेंटर कर रहे हैं स्टार्टअप्स की समस्याओं का समाधान

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि एबिक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एबिक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मेंटर एबिक के साथ जड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप्स की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं। बिक से जुड़कर स्टार्टअप्स ने करीब 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 3000 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एबिक टीम सदस्य विक्रम सिंह, शलैंद्र सिंह, राहुल दुहन, एबिक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स और ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

द्वारा

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक १२-१२-२०२२ पृष्ठ संख्या ९ कॉलम ३-४

ग्रानीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समर्थ की मांग : वीटी

एचएस्टीएस एकिक ने स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्प्रेस्टर नीट का शुभारंभ

हरिजीत न्हूज़ विद्यार्थी

दे रहे लोगू



विदेशी प्राय
एक लंबी

ग्रानीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक और जहां किसानों को लाभ होगा वही दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ता। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सम्बन्ध नहीं। जरना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कलापति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एकिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकॉर्पोरेशन नेट के शुभारंभ अवसर पर बताएं। मुख्यालयी बोल रहे थे। एकिक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इन्प्रेस्टर्स मीट है। कार्यक्रम के अध्यक्षता नाबांड के मुख्य महाप्रबंधक

मीट की संयोजक एकिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि जबकि सह-संयोजक अधिकारी तनेजा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वील ग्रा एन्जीओ के विश्व लालाकार श्याम वीकर, एकिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी, एकिक टीम सदस्य विक्रम सिंह, श्रेष्ठ सिंह, राहुल दुहर, एकिक के चयनक टार्टार्स अनलाइन जुड़े हुए थे।

एकिक की सफलता पर लिखा गया नाबांड की योजना : गुरु नहायर की योजना : गुरु नहायर की योजना एवं तेयर करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देगी। उन्होंने यीन कहा कि विश्वविद्यालय में रिश्त एकिक सेंटर की सफलता पर ही नाबांड भविष्य की योजनाएं तेयर करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देगी। उन्होंने यीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यह क्रम इन्हें बेस्ट समय करेगा लालों की संख्या में स्टार्टअप्स क्रम कर रहे हैं। इसलिए हमारे देश में अधिक इस तरह के केंद्र खालने की जरूरत है ताकि याद से ज्याद लोग जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक इस तरह के केंद्र खालने की जरूरत है ताकि याद से ज्याद लोग स्वरोकार और स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें। अब इन्प्रेस्टर भी एकिक से जुड़कर एपी स्टार्टअप्स का सहयोग करेगे। नाबांड मुख्य के मुख्य प्रबंधक देवाशीष पर ही प्रशिक्षित अधिकारी थे। इस दौरान मुख्यालयी ने एकिक केंद्र के विजन डॉर्युमें का भी लोकरपण किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रशालन संस्कृती.....

दिनांक ..5.12.2020 पृष्ठ संख्या.....। कॉलम.....४

'पराली जलाए बिना हो सकेगी आलू की बिजाई'

हिसार, 4 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने धान की पराली के प्रबंधन का इन-सीटू अवशेष प्रबंधन तकनीक से समाधान निकाला है। इस तकनीक से अब पराली को बिना जलाए व खेत के अंदर ही प्रयोग कर आलू की बिजाई की जा सकेगी। इस तकनीक को अखिल भारतीय समनित अनुसंधान प्रोजैक्ट की वार्षिक वर्कशॉप में मंजूरी मिल चुकी है।

यह वर्कशॉप केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक डा. मनोज कुमार की अध्यक्षता में शिमला में आयोजित हुई थी। वैसे इस तकनीक के लिए 2 साल तक उचानी में ट्रायल किया गया। सकारात्मक परिणाम आने के बाद किसानों के लिए सिफारिश किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैरेक्टर

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या.....।। कॉलम.....२-६

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया कृषि शिक्षा दिवस

कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ : डॉ. मान

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का 136वां जन्मदिवस कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया।

हाइलाइट न्यूज ||| फतेहाबाद

कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद द्वारा केन्द्र के प्रांगण में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का 136वां जन्मदिवस कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर कृषि विषय व गृह विज्ञान विषय के 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया। केन्द्र के वरिष्ठ समन्वयक डॉ. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने बताया कि देश में डॉ.



फतेहाबाद। कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित कृषि शिक्षा दिवस पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियां देते कृषि वैज्ञानिक। फोटो: हरिभूमि

राजेन्द्र प्रसाद के शिक्षा एवं कृषि के विकास में दिए योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरदूल मान, जिला

विस्तार विशेषज्ञ (सूत्रकृमि) ने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थी चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में कृषि सम्बन्धी डिग्री कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

उन्होंने प्रवेश परीक्षा आदि विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. मान ने बताया कि भविष्य में बढ़ती हुई जनसंख्या व धरती जोत के कारण खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने का कार्यभार कृषि वैज्ञानिकों व कृषि विश्वविद्यालयों पर होगा, इसलिए भविष्य में कृषि शिक्षा की सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं रखी।

केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार ने कृषि शिक्षा महत्व के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य व पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन बारे जानकारी दी।

केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. विकास हुड्हा ने विद्यार्थियों को सज्जियों की महत्ता व इसकी वर्षभर उपलब्धता के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को केन्द्र के फार्म का भी भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर केन्द्र के प्रशिक्षण सहायक सुशील कुमार, विषय विशेषज्ञ डॉ. निर्मल कुमार, प्रवीन कुमार ने भी अपने-अपने विचार रखे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अजीप समाचार

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या.

..कॉलम

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : कुलपति समर सिंह

एचएस्टीयू स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर बीट का सुभारत, एविक का विजन डंवर्गेन्ट ने किया लांच

टिम्पार, ५ टिम्पार (राज परामर्श)

प्रायोगिक क्षेत्रों में लघु उत्तरा व्यापारिक करना समय की पांग बन जाता है। इसमें एक और जल्दी किसानों को लाभ होता है क्योंकि दुकानों और रोपणाली के लिए खाली खड़ा बढ़ती है। इससे लघु उत्तरा व्यापारिकों को कारबा माल नवदारक ही मिलता जाता है और किसानों को भी इसमें संरक्षित किसी प्रकार की किसानों का समर्थन की तरफ पहुंचा, विसमें दोनों को फठवता होता।

यह चात हारियरगा कृष्ण
विश्वासीनों के बुलती पूरी समझ
उठाने में विश्वासीनों से स्थानीय
प्रशिक्षण कोड और आइसीएस द्वारा प्रदान
इकॉनोमिक्यूनिट्स विलेजेस इन्डेपेंडेंट
मेंटर के ग्रामीण अधिकारी पर काम
करने वाला एक द्राघी आजीविका की जांच वाले
यह फली इनकेस्ट्स पोर्ट है। कार्यक्रम
की अवधिकारी नामांकन के पूर्व
महाराष्ट्र विधान सभा ने जैव-
जबकि नावार्ट मुंबई के मुख्यमंत्री
महाराष्ट्राचार्यकांड द्वारा आपीय पाहाड़ी
पुस्तकालय में अधिकारी
मेंटर कोड के बिना इकॉनोमिक्यूनिट्स
का भी नोकरीय किया
कृष्णपुराण प्रा. साम निलंबन के कानून
मानवांगम थे एवं उत्तम स्थानीय



विवरण योजना का अस्त्र प्रयोगदान है। अब इन्हें भी एकिक से जुड़कर एक स्टार्टअप का सम्पर्क है। तब कि विवरणात्मक में स्थानिक एकिक को एक लोटर के रूप में काम करते हुए, अब वह विवरणात्मक में एक कंपनी का एकिक बन जाता है। उसके बाद एकिक को स्थानिक एकिक के सम्पर्क एकिक को फार्मेट में बदल दिया जाता है।

संवादक अपित तनेजा ने भरी का स्वाक्षर किया और इनवेस्टमेंट बीट की विस्तृत जानकारी दी। बोल ग्रो एनजीओ के वरिष्ठ सलाहकार स्थाप वीरवर ने कहा कि भारत खालीओं का देश है और इस

एक वर्ष की सफलता पर ही निर्विजेता नवाचाह के प्रभावित और योंचनामः मुख्य महाप्रधानक नवाचाह के मुख्य महाप्रधानक देवाभासी वराचाह ने अपने अपराधिक धनांश में कहा कि विवरणित रूप से एक वर्ष की सफलता पर ही नवाचाह प्रधान के योंचनामः तीव्र करके और अपनी की बातों अपना अवसरपाल स्थापित करने में इच्छा करते हैं। ऐसे संसद के द्वारा उन्हें अपराधिक धनांश में कहा कि कृपा करेगा जो अपनी अपीली की मानी तरह के इन्वेस्टिगेटर मेंटर उन्हें अपे उन्हें को पोका दे रहे हैं। अब पूछा नवाचाह की बायां अपना अवसरपाल स्थापित करने के लिए अपने कर्त्ता के हैं। ऐसे संसद के द्वारा उन्हें अपराधिक धनांश में कहा कि कृपा करेगा जो अपनी अपीली की मानी

इस अवसर पर देश को जाने माने इन्डियन्स के बाबूजी अधिकारियों ने स्टारटअप्स के संचालक होने की तुला लाती हैं जो संस्था में स्टारटअप्स काम कर रहे हैं, जबकि भारत में आगे भी इनकी संख्या वृद्धि की है। इनका इताहा देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की ज़माने ही ताकि भारत से ज्ञान लोग ज्ञानोंवालाओं रखनीकर अपनीवालों के साथ बढ़ाव दें। इस तरह के केंद्र खोलने के लिए भारत सरकार भी विविध काग में सहयोग करते हुए प्रयत्नमात्र है, किंतु अधिक से अधिक लोग स्टारटअप्स का उपयोग कर सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...

पांच वर्षी

दिनांक .५.।२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : प्रो. समर सिंह

पांच बजे व्युग



ग्रामीण कृषि विकास योजना का अभ्यंग नहीं हो। अब इन्डोनेशिया भी पर्यावरण सुरक्षा करने के लिए स्टार्टअप्स का समर्पण करते हैं। उनकी योजना का लिए विद्युतीकरण में स्थानीय विद्युत केंद्र एवं लोही के लिए मात्र करते हैं। अब अन्य कृषि विकास योजनाएँ में भी इसकी विद्युतीकरण की विस्तृत विधि और इन्डोनेशिया से योगी समर्पण करना चाहिए।

इन्हें बोलते हैं कि वह एक अद्वितीय संस्कृत ग्रन्थ के लिए एक अद्वितीय विद्या का लाभ मिलता है। इसके नाम पर एक इन्द्रधनुष विद्या का विवरण देते हैं जिसके लिए उनके बाह्य विद्यमानों में भी महत फ़िलिंगी। प्रोफेटर मर्म फ़र्मने के बाबत विवरण देते हैं कि वास्तविक वार्ष-विद्यमानों व फ़र्मनों के उपयोग की वास्तविक वार्ष-विद्यमानों में वहाँ अधिक विविधता है। किंतु वार्ष-विद्यमान में लक्षण सभी विविधता है। वे विवरण देते हैं कि वार्ष-विद्यमानों में लक्षण सभी

हुए कहा कि इसके बाहर यहाँ कम इन्स्ट्रेक्शन मंटर होने की विधियां हैं कि जीवन में इस समय काम करने वालों की संख्या में स्टार्टअप काम कर कर हो जाएगी भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए इसके दौरान में अधिक से अधिक इम टार्गेट के क्रैडिट लोन को जारी हो जाएगा ताकि ज्ञान और जीवन की लाइफ स्टाइल के लिए लोन स्थानांतर स्थापित कर आवश्यकता बन सके। इस तरह के क्रैडिट लोनों के लिए भारत में स्थानांतर करें तुम प्रयासमर्त हो, ताकि अधिक से अधिक लोन स्थानांतर स्थापित कर सकों और उनके लिए वे व्यापक रूप से उपलब्ध रहें। और इस तरह के इन्स्ट्रेक्शन मंटर द्वारा हो और इस तरह के इन्स्ट्रेक्शन मंटर द्वारा हो और इस तरह का क्रैडिट लोन कर दें। अब युवा जीवन की बाबत अपना अवधारणा स्थापित करने में इच्छित आहर कर रहे हो और उन्हें इसके लिए एक लोन लेने की ओर आप लोन लेने का इच्छित आहर कर रहे हो। उन्होंने कहा कि कृष्ण खेड़ में अग्राम स्थापित हो, इच्छित युवाओं को इस आग्राम से अधिक से अधिक अवधारणा करना चाहिए। एकिक के मंटर कर रहे स्टार्टअप की स्थापित करना का साधारणता है।

एकिक के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप गांगड़ा ने कहा कि ऐसे संस्थानों की ओर से एकिक के लिए विशेषज्ञ, मानव संस्करण, सम्बद्धिशास्त्र, पैकिनिंग व ब्लॉडिंग करके व्यापार की ओर अधिक की संरक्षणात्मक, अल्प अवधि की कामी व कृषि से संबंधित दोनों विद्यान को लोक व उनके नवजागरों को नियामित के लिए अतिरिक्त अप्राप्यतावाली स्थापित करने वाली प्रारंभिक विद्यार्थी, इन्स्ट्रेक्शन मंटर तकनीकी आवश्यकता, साइर्कुलेशन, पॉलिंग, डिलाइन, ड्रॉप-इन इत्यादि आदि के लिए एक प्रारंभिक को लिए अवधारणा स्थापित करना चाहिए। एकिक के साथ मिलकर तीन विद्यालय द्वारा एक समूह भी काम कर रहा है और उनका नाम एकिक विश्वविद्यालय है। एकिक में जुड़कर स्टार्टअप ने करीब 500 लोगों को प्राप्त और 3000 लोगों को अवधारणा स्थापित किया है। एकिक व जीवन पारंपर जीवन एवं प्रृथक् विद्या, अमेडी युवानियों, जीवन और उनकोंओं और एक एक-दूसरे की हासा मिलकर जीवन व उनकों व्यापक रूप से उत्कृष्ट बनाने का हुआ है। इस अवधारणा पर देश के जीवन माने इच्छित द्वारा जारी अधिकारणों ने स्टार्टअप से लोन लेने पर दूसरे तरफ आपके लिए प्रतिक्रिया प्रोत्साहन स्थापित मालिनी के मुद्रणात्मक स्थान में प्रतिक्रियाएं, इच्छित द्वारा एकिक टोप का उम्र कायदाकार के सम्बन्ध में अधिकारण के लिए विवादित किया।

ने बताया कि एविएट केंद्र की स्थगना वर्ष 2019 में हो रही थी और अब तक इसके 25 जून को विकल्पीय कार्रवाई हो गई है। अब तक 100 में से ज्यादा मंटर परिवक्त ने साधा जुड़वा-



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... रिपोर्ट प्र० ५८३
 दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या । कॉलम ।
 ——————

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : प्रोफेसर समर सिंह

एताएयू स्थित एविक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ

सिर्टी पल्ल्य न्यूज़, हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक और जहां किसानों को लाभ होगा वही दूसरी ओर सेजगार के अवसर भी बढ़ेगा। इससे लघु उद्योगों को कच्चा माल नजदीक हो मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। जिसमें दोनों को फायदा होगा। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने अक्तु एविक में स्थापित एविक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एविजिनेस (IDEA) इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बताए थे। विश्वविद्यालय की अध्यक्षता नावार्ड के मुख्य महाप्रबंधक गजीब महाजन ने को जवाहिक नावार्ड व मुख्य के मुख्य महाप्रबंधक देवांशीष पाइडी विशिष्ट अतिथि थे। इस दीर्घन मुख्यातिथि ने एविक केंद्र के विजन डॉक्यूमेंट का भी लोकार्पण किया।

मुख्यातिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लघु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और



हिसार। विजन डॉक्यूमेंट का लोकार्पण करते कुलपति प्रो. समर सिंह एवं एविक के अधिकारी।

अमदनी में उजाफा होगा। इसके अन्तर्वा विचारित्या प्रथा पर भी रोक लग सकती। उन्होंने कहा कि एग्री इंक्युबेटर को स्थापित करने में भारत सरकार की नावार्ड व गद्दीय कृषि विकास योजना का अहम योगदान है। अब इन्वेस्टर भी एविक से जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र एक लोडर के रूप में काम करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन मेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों

एक आदर्श के रूप में स्थापित हो रहा है। नावार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री देवांशीष पाइडी ने अपने अध्यक्षता भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एविक सेंटर की सफलता पर ही नावार्ड भविष्य की योजनाएं तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहां कम इन्क्युबेशन मेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की सख्ता में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाधारी, एविक टीम सदस्य विकास सिंह, शलेष रिंग, गहुल दुहन, एविक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान मध्यम, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स औंनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

प्रैरालैन्ड

दिनांक ५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

निदेश कृषि पर सरकार का जोर कृषि में आधुनिक तकनीकों व उन्नत किस्मों का प्रयोग हो तो खेती नहीं घाटे का सौदा : कुलपति

हिसार ३ दिसम्बर

(देशबन्धु)। अगर

आधुनिक तकनीकों व फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग किया जाए तो कृषि घाटे का सौदा नहीं हो सकता। साथ ही जैविक खेती के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने से न केवल राष्ट्रीय बल्कि

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी डिमांड बढ़ेगी। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

समर सिंह ने विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा विभाग पर अनन्तलाइन माध्यम से आयोजित वेबिनार को

मूल्य संरक्षक के तौर पर संबोधित करते हुए कही।

वेबिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय की ओर से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी मुख्य अतिथि थे जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह विशेष अतिथि थे। यूपसर की स्टेट वैज्ञानिक गैरिकर्सिटी से डॉ. उमेश के रुप में इसमें मूल्य बढ़ा थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहारावत ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी का बधागत किया। कृषि शिक्षा विभाग को प्रतिवर्ष देश के प्रथम राष्ट्रीय कृषि कंटेन्यूर कृषि संबंधी भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जय दिवस के उत्तराश्रम में मनाया जाता है। इन्होंने कृषि कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्य को बहुत कर्तव्यमान और लागू से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों के विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों सकते हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से आँखन सिखाया कि युवाओं को कृषि सेवा जोड़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा कृषि संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और संबोधित क्षेत्र की विस्तृत रूप से जानकारी देने के लिए जगह कार्यक्रम चलाएं जाने चाहिए। साथ ही शिक्षा को कृषि आधारित बनाया जाना चाहिए और उसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान

में रखकर विद्यार्थियों को शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि शिक्षा पूरी होते ही वे इस क्षेत्र में अपना भविष्य बन सकें और देश में भी कृषि क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाया जा सके।

सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के कुलपति डॉ. एच.के. चौधरी ने कहा कि हमारे देश की अधिकातर जनसंख्या कृषि पर आधारित है। ऐसे में इन्हें बड़े तबके को कृषि संबंधी शिक्षा देकर जगह करना अपने आप में मानव जाति की सेवा करने का सबसे परिवर्तनीय हो सकता है। इसलिए कृषि वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे अपने कार्य को बहुत कर्तव्यमान और लागू से करते हुए किसानों की भलाई के लिए नई-नई तकनीकों के विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का विकास करें। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय किसानों के साथने अनेक चुनौतियां हैं लेकिन इन चुनौतियों के बीच में कई अवसर भी हैं जिनके माध्यम से किसान खेती-यांडी से अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। इसके लिए युवा किसानों को चुनौतियों को अवसर में बदलने का दूनर सिखाना होगा।

यूपसर की स्टेट वैज्ञानिकी से डॉ. उमेश के रुप में कहा कि युवाओं के लिए विदेशों में भी कृषि को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए युवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्पत्ती को ध्यान में रखकर अपने कृषि उत्पादों को तैयार करें और अधिक मुनाफा कमाएं। युवा कृषि व्यवसाय को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

कृषि महाविद्यालय के अधिकातर डॉ. ए.के. छात्रां ने बताया कि इस वेबिनार में हिसार, पिंजरा, सिरसा, यमुनानगर, साहित चौहानी के विभिन्न स्थानों के करीब 500 विद्यार्थियों ने भी रिपोर्ट लिया। कृषि महाविद्यालय के सह अधिकातर एवं वेबिनार के संयोजक डॉ. एस.के. पाहुजा के अनुसार इस वेबिनार के दौरान कृषि के महत्व, इसके क्षेत्र, देश के संदर्भ में इसकी उपयोगिता, कृषि क्षेत्र में अवसर और कृषि इंटरप्रेनर आदि की जानकारी दी गई ताकि इस विषय के संबंध में उन्हें रुचि जागूत हो सके। आँखनाइन वेबिनार में विश्वविद्यालय के अधिकातर, निदेशक, विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, विद्यार्थी व किसान भी जुड़े हुए थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

नं. भ. ३४२

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कोरोना काल में कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की: कुलपति

हिसार/०४ संस्करण/प्रिपोर्टर

ग्रामीण क्षेत्रों में लंबु उद्योग स्थापित करना समय की पांग बन चुका है। इससे एक ओर जहां किसानों को लाभ होगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लंबु उद्योगों को कव्य भी घट जाएगा और आमदानी में इजाफा होगा। इसके अलावा वाचीलिया प्रश्न पर भी रोक लग सकेगा। उन्होंने कहा कि एग्री इन्वेस्टर को स्थापित करने में भारत सरकार की नावार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अम्य योगदान होगा। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समझ सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में एविक केंद्र की आईडिया डेवलपमेंट इंकम्पारिंग एंटर्प्राइजेनेस इनवेस्टमेंट के शुभारंभ पर बतार मुख्यातिथि बोल रहे थे। एविक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इनवेस्टमेंट मीट है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नावार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नावार्ड मुंबई के मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाइडी विशेष अतिथि थे। इस दौरान मुख्यातिथि ने एविक केंद्र के विज्ञ

प्रभावित हुए लेकिन कृषि व इससे जुड़े उद्योगों ने देश की अर्थव्यवस्था में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व लंबु उद्योगों के परिवहन का खर्च भी घट जाएगा और आमदानी में इजाफा होगा। इसके मार्ग की स्थापित करने की एविक की अलावा वाचीलिया प्रश्न पर भी रोक लग सकेगा। उन्होंने कहा कि एग्री इन्वेस्टर को स्थापित करने में भारत सरकार की नावार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का अम्य योगदान है। अब इन्वेस्टमेंट भी एविक से जुड़कर एग्री स्टार्टअप्स का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र एक लीडर के रूप में काम करते हुए अन्य कृषि विश्वविद्यालयों में नए इन्वेस्टर मेंटर खोलने के लिए एक आर्सन के रूप में स्थापित हो रहा है। इससे नए एग्री इन्वेस्टमेंट केंद्र खोलने के लिए बनने वाली आर्ली में भी मदद मिलेगी। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि वाचानी, फल-सब्जियों व फूलों के उत्पादन की बाजार में बहुत अधिक डिमांड है। कोरोना काल में लगभग सभी उद्योग धंधे कर आत्मनिर्भर बन सके। इस तरह के केंद्र खोलने के लिए भारत सरकार भी विशेष रूप से सहयोग करते हुए प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार स्थापित कर सकें। बील ग्रो एन्जीओ के वरिष्ठ सलाहकार श्याम वैम्बर ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और इस तरह के इन्वेस्टर सेंटर उन्हें आगे बढ़ने का मौका दे रह है। अब युवा नीकरी की बजाए अपने अवसाय स्थापित करने में इच्छा जाहिर कर रहे हैं और ऐसे केंद्र उनके लिए एक प्लेटफॉर्म बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि कुरी क्षेत्र में अपार देवाआशीष को मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यह कम इन्वेस्टमेंट सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय करीब लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अपी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

उज्जीत सभानाम

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया कृषि शिक्षा दिवस

भविष्य में कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ : डा. मान

फतेहाबाद, 4 दिसम्बर (ललित महात) : कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद द्वारा केन्द्र के प्रांगण में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का 136वाँ जन्मादिवस कृषि शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कृषि विषय व गृह विज्ञान विषय के 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया।



विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारियां देते कृषि वैज्ञानिक।

केन्द्र के वरिष्ठ समन्वयक डा. लक्ष्यवीर बैनीबाल ने बताया कि देश में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के शिक्षा एवं कृषि के विकास में दिए योगदान को भूलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरदूल मान, जिला विस्तार विशेषज्ञ (सूत्रकृमि) ने बताया कि 10वीं व 12वीं कक्षा के बाद विद्यार्थी चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में कृषि सम्बंधी डिग्री कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

उन्होंने प्रवेश परीक्षा आदि विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. मान ने बताया कि भविष्य में बढ़ती हुई जनसंख्या व धरती जोत के कारण खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने का कार्यभार कृषि वैज्ञानिकों व कृषि विश्वविद्यालयों पर होगा, इसलिए भविष्य में कृषि शिक्षा की सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार वर्षभर उपलब्धता के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... सभस्त्र दीरेपुणा

दिनांक ५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग : वीसी

एचएयू एविक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का शुभारंभ

एविक का विजन डॉक्युमेंट भी किया लांच



समस्त हरियाणा न्यूज हिसार। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग स्थापित करना समय की मांग बन चुका है। इससे एक और जहां किसानों को लाभ होगा वहाँ दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे लघु क्षेत्रों में ऐसे उद्योग स्थापित करने से किसान व उद्योगों को कच्चा माल नजदीक ही मिल जाएगा और किसानों को भी इससे संबंधित किसी प्रकार की दिक्कतों को नहीं करना पड़ेगा, जिससे दोनों को फायदा होगा।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पार्सिंग एग्रीविजनेस इन्वेस्टर्स मीट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। एविक द्वारा आयोजित की जाने वाले यह पहली इन्वेस्टर्स मीट है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नावार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन ने की जबकि नावार्ड

मुख्य महाप्रबंधक देवाआशीष पाण्डी ने बताया कि एविक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एविक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मैटर एविक के साथ जुड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं। एविक के साथ प्रिलकर तीन किसान उत्पादक समूह भी काम कर रहे हैं और उनकी वार्षिक आय में काफी वृद्धि हुई है।

प्रोफेसर सुरीता महता ने मुख्यातिथि महित सभी प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व एविक टीम का इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एविक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शलेंद्र सिंह, राहुल दुहन, एविक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स और आमदानी में इजाफा होगा।

एविक की सफलता पर ही निर्भर है नावार्ड की भविष्य की योजनाएँ : मुख्य महाप्रबंधक

नावार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री देवाआशीष पाण्डी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय में स्थित एविक सेंटर की सफलता पर ही नावार्ड भविष्य की योजनाएँ तैयार करेगा जो स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने का मौका देंगी। उन्होंने चीन से तुलना करते हुए कहा कि हमारे यहाँ कम इन्वेस्टर्स सेंटर होने का ही परिणाम है कि चीन में इस समय कीब

एविक के मैटर कर रहे स्टार्टअप्स की समस्याओं का समाधान डॉ. सीमा रानी

एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि एविक केंद्र की स्थापना वर्ष 2019 में की गई थी और अब तक एविक 25 से ज्यादा वर्कशॉप करवा चुका है। अब तक 100 से ज्यादा मैटर एविक के साथ जुड़कर प्रशिक्षणों के माध्यम से स्टार्टअप की हर समस्या का समाधान कर रहे हैं। एविक के साथ प्रिलकर तीन किसान उत्पादक समूह भी काम कर रहे हैं और उनकी वार्षिक आय में काफी वृद्धि हुई है। प्रोफेसर सुरीता महता ने मुख्यातिथि महित सभी प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व एविक टीम का इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सभी अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, एविक टीम सदस्य विक्रम सिंधु, शलेंद्र सिंह, राहुल दुहन, एविक के चयनित स्टार्टअप्स, किसान समूह, इन्वेस्टर्स व देशभर के एग्री स्टार्टअप्स और आमदानी माध्यम से जुड़े हुए थे।

लाखों की संख्या में स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं जबकि भारत में अभी भी इनकी संख्या हजारों में है। इसलिए हमारे देश में अधिक से अधिक इस तरह के केंद्र खोलने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर सकें। ज्यादा से ज्यादा लोग स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।